टीका जानकारी विवरण

टाइफॉइड का टीका

जानने योग्य तथ्य

टीकों के बारे में अधिक जानकारी स्पेनिश एवं अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध है।
संदर्भ : www.immunize.org/vis

1. टाइफॉइड क्या है?

टाइफॉइड (टाइफॉइड ज्वर) एक गंभीर रोग है। यह सैलमोनेला टाइफी नामक वैक्टीरिआ से उत्पन्न होता है।

टाइफॉइड के कारण व्यक्ति को उच्च ज्वर, थकान, कमजोरी, पेट में दर्द, भूख नहीं लगना तथा कुछ मामलों में दाने (रैश) दिखाई देने की समस्याएं हो सकती हैं। यदि उपचार नहीं किया जाए तो टाइफॉइड से पीड़ित 30 प्रतिशत व्यक्ति मृत्यु का शिकार हो सकते हैं।

टाइफॉइड से ग्रस्त कुछ व्यक्ति वाहक (कैरिअर) का कार्य करते हैं और दूसरे व्यक्तियों में रोग फैला सकते हैं।

प्रायः टाइफॉइड का कारण संदूषित भोजन या पानी होता है। अमेरिका में सामान्यतया टाइफॉइड का पाया जाना अपवाद है तथा अधिकांश व्यक्ति यात्रा के दौरान ही इस रोग या संक्रमण को प्राप्त करते हैं।

विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 21 मिलियन व्यक्ति टाइफॉइड से पीड़ित होते हैं और 200,000 के लगभग व्यक्ति मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं।

2. टाइफॉइड का टीका

टाइफॉइड टीके से टाइफॉइड की रोकथाम संभव है।

टाइफॉइड से बचाव हेतु 2 प्रकार के टीके लगाए जाते हैं:

- एक टीका निष्क्रिय (मृत) होता है जो कि शॉट (इंजेक्शन) के रुप में लगाया जाता है।
- दूसरा जीवित अल्पीकृत (क्षीण शक्ति) टीका होता है, जिसे मुख द्वारा लिया जाता है।

3. टाइफॉइड का टीका किसे एवं कब-कब लगवाना चाहिए?

अमेरिका में टाइफॉइड टीके को रुटीन के तौर पर लगाने की सलाह नहीं दी जाती है किन्तु निम्न व्यक्तियों में टाइफॉइड टीके के प्रयोग की अनुशंसा की जाती है:

- ऐसे देश की यात्रा के दौरान, जहां सामान्यतः टाइफॉइड पाया जाता है।

(नोट : उल्लेखनीय है कि टाइफॉइड टीके की प्रभावशीलता शत प्रतिशत नहीं मानी जा सकती है, साथ ही टीका खानपान की सावधानी का विकल्प नहीं है)

- टाइफॉइड कैरिअर के सम्पर्क में आने वाले व्यक्ति
- सैलमोनेला टाइफी के सम्पर्क में आने वाले प्रयोगशाला कर्मी

निष्क्रिय टाइफॉइड टीका (शॉट):

- एक ही खुराक से सुरक्षा मिल जाती है। यह यात्रा प्रारम्भ करने से कम से कम 2 सप्ताह पूर्व लगवाना चाहिए ताकि टीका अपना काम कर सके।
- जोखिम वाले व्यक्तियों को प्रत्येक 2 वर्ष में एक बूस्टर खुराक लगवाना आवश्यक है।

जीवित टाइफॉइड टीका (मुखीय):

- 4 खुराकें सप्ताह में एक दिन छोड़कर दूसरे प्रत्येक दिन एक कैप्सूल, (सप्ताह में 1, 3, 5 एवं 7वां दिन)। टीके को कार्यवाही हेतु समय देने को अंतिम खुराक, यात्रा पर जाने से कम से कम एक सप्ताह पूर्व दी जानी चाहिए।
- प्रत्येक खुराक (कैप्सूल) को ठंडे अथवा हल्के गर्म पेय के साथ भोजन से 1 घंटे पूर्व निगलना चाहिए। कैप्सूल को चबाना नहीं चाहिए।
- जोखिम ग्रस्त व्यक्ति को प्रति 5 वर्ष में बूस्टर खुराक की आवश्यकता होती है।

इस टीके को अन्य टीकों के साथ दिया जा सकता है।

4. कुछ व्यक्तियों को टाइफॉइड का टीका नहीं देना चाहिए अथवा प्रतीक्षा करनी चाहिए।

निष्क्रिय टाइफॉइड टीका (शॉट):

- 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं देना चाहिए।
- जिन व्यक्तियों को पूर्व में दी गई खुराक से गंभीर प्रतिक्रिया हुई हो, उन्हें यह टीका नहीं देना चाहिए।
- उन व्यक्तियों को भी यह टीका नहीं देना चाहिए जिन्हें टीके के किसी भी घटक से पूर्व में गंभीर एलर्जी हुई हो, गंभीर एलर्जी के बारे में डॉक्टर को बताएं।
- टीका (शॉट) लगाते समय व्यक्ति के मध्यम अथवा गंभीर अस्वस्थ होने पर, उसके स्वास्थ्य लाभ प्राप्ति तक प्रतीक्षा करनी चाहिए, तभी शॉट देना चाहिए।

जीवित टाइफॉइड टीका (मुखीय):

- 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों को नहीं देना चाहिए।
- जिन व्यक्तियों को पूर्व में दी गई खुराक से गंभीर प्रतिक्रिया हुई हो, उन्हें यह टीका नहीं देना चाहिए।
- उन व्यक्तियों को भी यह टीका नहीं देना चाहिए, जिन्हें टीके के किसी भी घटक से पूर्व में गंभीर एलर्जी हुई हो। गंभीर एलर्जी के बारे में डॉक्टर को बताएं।

U.S. Department of Health and Human Services
Centers for Disease Control and Prevention

- टीका लगाते समय किसी व्यक्ति के मध्यम अथवा गंभीर अस्वस्थ होने की स्थिति में, टीका लगाने से पूर्व उसके स्वास्थ्य लाभ प्राप्ति की प्रतीक्षा करनी चाहिए। डायरिआ अथवा उल्टी होने की अवस्था में डॉक्टर को बताना चाहिए।
- किसी भी व्यक्ति का प्रतिरोधक तंत्र कमजोर होने पर उसे मुखीय टीका नहीं देना चाहिए, इसकी जगह उन्हें टाइफॉइड (शॉट) वाला टीका दे सकते हैं, इनमें सम्मिलित है :
- एच.आई.वी./एड्स अथवा प्रतिरोधक तंत्र को प्रभावित करने वाले रोग से ग्रस्त व्यक्ति ।
- ऐसी दवाई (जैसे-स्टेरॉइड) का 2 सप्ताह या इससे अधिक सेवन करना, जो कि प्रतिरोध तंत्र को प्रभावित करती है।
- किसी भी प्रकार के कैंसर से ग्रस्त व्यक्ति।
- औषधि अथवा रेडिएशन से उपचार प्राप्त कर रहे व्यक्ति।
- कुछ निर्धारित एन्टिबायोटिक्स लेने के बाद भी कम से कम 3 दिन तक, मुखीय टाइफॉइड टीका नहीं देना चाहिए।

अधिक जानकारी हेतु अपने डॉक्टर से सम्पर्क करें।

5. टाइफॉइड टीका के खतरे

किसी भी अन्य औषधि के समान, एक टीका भी बड़ी समस्या, जैसे गंभीर एलर्जिक रिएक्शन का कारण हो सकता है किन्तु टाइफॉइड टीके से गंभीर हानि अथवा मृत्यु की संभावना नहीं के बराबर है। किसी भी प्रकार के टाइफॉइड टीके से गंभीर समस्या उत्पन्न होना अपवाद स्वरुप है।

निष्क्रिय टाइफॉइड टीका (शॉट):

साधारण प्रतिक्रियाएं :

- ज्वर (100 व्यक्तियों में से लगभग 1 को)
- सिर दर्द (30 व्यक्तियों में से लगभग 1 को)
- इंजेक्शन स्थल पर लालिमा या सूजन (15 व्यक्तियों में से लगभग 1 को)

जीवित टाइफॉइड टीका (मुखीय):

साधारण प्रतिक्रियाएं :

- ज्वर या सिर दर्द (20 व्यक्तियों में से 1 को)
- पेट दर्द, जी मितलाना, उल्टी, दाने (कभी-कभी)

6. गंभीर रिएक्शन की स्थिति में निर्देश

- **स्वयं का अवलोकन करें:**

अपने शरीर से सरोकार रखने वाली प्रत्येक क्रिया पर नजर रखें। इनमें गंभीर एलर्जी रिएक्शन, बहुत तेज बुखार अथवा असामान्य व्यवहार आदि सम्मिलित हैं।

गंभीर एलर्जी रिएक्शन के लक्षणों में खराश, चेहरे एवं गले पर सूजन, श्वसन में कठिनाई, हृदय की धड़कनों का तेज होना, चक्कर आना एवं कमजोरी आना सम्मिलित हैं। यह समस्याएं टीकाकरण के बाद कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों तक प्रारम्भ हो सकती हैं।

- **कार्यवाही करें:**

गंभीर एलर्जिक रिएक्शन अथवा ऐसी आपात स्थिति जहां प्रतीक्षा करने का समय न हो, तत्काल 9-1-1 पर फोन करें अथवा तुरंत नजदीकी हॉस्पिटल पहुंचें, अन्यथा अपने डॉक्टर/क्लिनिक से सम्पर्क करें।

तत्पश्चात रिएक्शन की घटना को वैक्सीन एडवर्स ईवेंट रिपोर्टिंग सिस्टम (VAERS) को रिपोर्ट करनी चाहिए। यह रिपोर्ट डॉक्टर को फाइल करनी चाहिए अथवा स्वयं भी वेअर्स (VAERS) की वेबसाइट (www.vaers.hhs.gov) के माध्यम से अथवा 1-800-822-7967 पर काल करके फाइल की जा सकती है।

(नोट : VAERS किसी भी प्रकार का चिकित्सा परामर्श नहीं देता है)

7. अधिक जानकारी हेतु स्त्रोत

- अपने डॉक्टर से पूछताछ करें।
- रोग नियंत्रण एवं निवारण केन्द्र (CDC) से सम्पर्क करें।
- 1-800-232-4636 (1-800-CDC-INFO) पर काल करें।

अथवा

- सी.डी.सी. की वेबसाइट www.cdc.gov/vaccines/vpd-vac/typhoid/default.htm पर विजिट करें।

Vaccine Information Statement

Typhoid Vaccine

5/29/2012 Hindi